Title: Introduction of Companies (Second Amendment) Bill, 1999.

17.32 hours

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, on behalf of Shri Ram Jethmalani, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Companies Act, 1956.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Companies Act, 1956."

The motion was adopted.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: I introduce the Bill.

... (Interruptions)

---

*Published in the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 2, dated 23.12.99.

MR. SPEAKER: Now, Vande Matram to be played. Please go to your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: You have been raising this issue since today morning. I understand your anguish also. Please go to your seats. Now, Vande Matram to be played.

... (Interruptions)

१७.३३ बजे

(स समय श्री देवेन्द्र सिंह यादव तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य अपने-अपने

स्थानों पर वापस चले गए।)

... (व्यवधान)

१७.३३ बजे

(स समय श्री रामदास आठवले तथा कुछ माननीय सदस्य अपने-अपने स्थानों पर

वापस चले गए।)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, आपके निर्देश का पूरी तरह पालन किया जाएगा लेकिन एक प्रार्थना है कि नई सदी आ रही है। यह सदी का आखिरी सत्र है।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हाउस में नए रूप में आना है।

श्री मुलायम सिंह यादव : सदन के नेता की भी यही भावना होगी। हमारी भावना विपरीत नहीं है। मैं प्रधान मंत्री जी से इतना जरूर कहना चाहूंगा कि नई सदी में दिल बड़ा और छाती चौड़ी करके आएं। जो देश के अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं, पिछड़े हैं, अनुसूचित जन जाति और बहुत से गरीब वर्ग के लोग हैं, उनके हितों का आप कुठाराघात से बचायें रखें। इस बिल के खिलाफ पूरे सदन की भावना है। वह अब की बार जब सदन में आएं तो दिल बड़ा और छाती चौड़ी करके आएं और सदन भा वनाओं का आदर करें। माननीय प्रधान मंत्री जी जब विरोधी दल के नेता थे, मैंने तब से लेकर अभी तक उनकी बातों को बहुत सुना है। वह कभी जिद नहीं करते थे। परन्तु अब आप जिद्दी हो गये हैं । अब जब वह संसद सत्र में आएं तो जिद छोड़ कर पूरे हाउस के माननीय सदस्यों की भावनाओं का आदर करें और अवैध रूप से प्रस्तुत किये गये महिला आरक्षण विधेयक को वापस लें । अध्यक्ष महोदय, हमने आपके हुक्म का पूरा-पूरा पालन किया है। मैं आपके निर्देश का पालन करता हूं और इसीलिये आपके ऊपर किसी प्रकार की कोई टिप्पणी नहीं कर रहा हूँ । आपने इस सदन को अच्छा चलाया है लेकिन सत्ता मे बैठे इन लोगों ने ठीक से चलने नहीं दिया, इस बात को इन लोगों को समझाइये।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, इस सम्पूर्ण सदन की यही राय है कि उसमें यथा संशोधित बिल रहना चाहिये जिसमें ओ.बी.सी., अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति और माइनोरटीज़ की सभी महिलाओं को पूरा हक मिलना चाहिये। मैं नहीं समझता कि क्यों सत्ता पक्ष के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। आज तो सब लोग खुल गये हैं।

SHRI P.H. PANDIYAN (TIRUNELVELI): Sir, there should be one amendment on reservation for backward classes. ...(Interruptions)

श्री राशिद अल्वी (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, मेरी गुज़ारिश है कि ओ.बी.सी. को उसमें शामिल किया जाये।

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : स्पीकर सर, मैंने बाकायदा नोटिस देकर आपको भेजा था...

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपके नोटिस के बारे में आपका नाम बुलाया था।

श्री जी.एम.बनातवाला : हम बाकायदा नोटिस देकर आपके सामने आते हैं और अपनी बात रखनी चाही लेकिन हमारी बात सुनी नहीं जाती। इस वक्त भी मैंने नोटिस दिया हुआ है कि यह मोशन जो इंट्रोडयूस किया गया है,सही नहीं, इसलिये इग्नोर किया जाये।

MR.SPEAKER: Please take your seat. I have called your name also. Please understand it.

श्री जी.एम.बनातवाला : आप हमें अंडरस्टैंड नहीं कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप पहले बैठ जायें।